ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XII, Issue– I *Jan – Feb, 2023*

OPEN ACCESS Original Research Article

अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं

* डॉ. दिलीपकुमार रा. गुंजरगे

** प्राध्यापक, हिंदी विभाग, जयक्रांती कला वरिष्ठ महाविद्यालय, लातूर, भ्रमणध्वनी – 9403246100*

प्रस्तावना:

वैश्वीकरण के वर्तमान युग में अनुवाद का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ने लगा है। जब दो व्यक्ति या देश व्यापार करते हैं तब अनुवाद का महत्व बढ़ जाता है। एक भाषा में कही गई बात को दूसरी भाषा में कहना अनुवाद हैं जैसे हिंदी भाषा में कहे गए किसी कथन को अंग्रेजी में कहना अनुवाद है। अर्थात व्यापार की वृद्धि एवं संपर्क के लिए अनुवाद महत्वपूर्ण होता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद है। सभी सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। समस्त प्रपत्र, ज्ञापन, सूचना, अधिसूचना एवं विज्ञापन द्विभाषी (अंग्रेजी व हिंदी) में जारी किए जाते हैं, जिसके लिए अनुवादक की आवश्यकता पड़ती है। कई प्रपत्रों, अभिलेखों का अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद किया जाता है। इसके लिए सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों में हिंदी अनुवादक की नियुक्ति की जाती है।

Copyright © 2022 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY-NC 4.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium for non-commercial use provided the original author and source are credited.

अनुवादक को कम से कम 2 भाषाओं की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।जो बहुभाषी होता है वह अनुवादक के रूप में अच्छा करियर बना सकता है। भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है अगर भाषा पर अधिकार हो तो उसमें करिअर बनाना आसान हो जाता है। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है ।अनुवाद असल में एक सेतु है जो 2 भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। वैश्वीकरण के इस दौर में अनुवादकों की मांग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं ।जबकि ऐसा नहीं है हिंदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध है। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, एवं अन्य भारतीय भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध है। सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में कंप्यूटर के कारण अनुवाद करना काफी हद तक आसान हो गया है लेकिन अनुवाद के लिए पूरी तरह से मशीन पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। मशीन ज्यादा से ज्यादा 70% अनुवाद कर सकती है 30% अनुवाद के लिए व्यक्ति की ही जरूरत पड़ती है।

आज बाजारवाद के इस दौर में हम अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के कई विकल्प देख सकते हैं। भारत में अनुवादक की जरूरत

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XII, Issue– I *Jan – Feb, 2023*

OPEN ACCESS Original Research Article

सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों को ही है। और आने वाले समय में इसकी मांग बढ़ने की उम्मीद है। निम्नलिखित स्थानों पर अनुवाद के माध्यम से रोजगार मिल सकता है।

1) **सरकारी विभाग** (government sector):

सरकारी दस्तावेजों का अनुवाद करने के लिए सरकार के लगभग सभी विभागों में अनुवादक की जरूरत होती है। भारत में राजभाषा अधिनियम के तहत सभी सरकारी दस्तावेजों का अंग्रेजी और हिंदी भाषा में होना अनिवार्य है। साथ ही राज्य सरकारों में क्षेत्रीय भाषाओं को भी मान्यता दी जाती है। इन सभी दस्तावेजों के अनुवाद के लिए अनुवादक की जरूरत होती है। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादको को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण पद मिलता है। विभिन्न बैंक राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति करते हैं। हिंदी भाषा अधिनियम का प्रावधान है कि सभी संस्थानों में हिंदी अधिकारी की नियुक्ति होनी चाहिए। भारत सरकार व निजी संस्थानों में हिंदी अधिकारी के रूप में काम करने का अवसर मिल सकता है। देश विदेश के सरकारी संस्थानों में हिंदी सलाहकार के रूप में भी नियुक्ति हो सकती है। सरकार द्वारा चल रहे मीडिया हाउस दूरदर्शन और आकाशवाणी में अनुवादक की भूमिका अहम होती है। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर आने वाले सभी समाचार किसी एक भाषा में नहीं बल्कि कई भाषाओं में होते हैं यह काम भी अनुवाद को का ही होता है। बैंकों के अलावा कोर्ट कचहरी में भी अनुवादक के लिए रोजगार के विकल्प मौजूद हैं।

2) **निजी क्षेत्र** (private sector):

***न्यूज़ मीडिया-** आज न्यूज़ मीडिया अनुवाद के बिना अधूरा है। अखबार हो या टीवी देश विदेश की खबर अपने लोगों तक पहुंचाने के लिए अनुवादक ही काम आता है। मीडिया में रोजगार पाने के लिए पत्रकारिता की डिग्री आवश्यक है। अधिकतर न्यूज़ एजेंसियां पत्रकार कम अनुवादक को ही रोजगार देती है। ऐसा नहीं कि अचानक ही अनुवाद के क्षेत्र में संभावनाएं पैदा हुई है। वक्त के साथ इसका दायरा बड़ा है। परंपरागत रूप से अनुवाद किताबों के प्रकाशन और सरकारी कामकाज तक ही सीमित था मगर वैश्वीकरण ने अनुवाद को एक नया क्षितिज दिया है। डिस्कवरी, नेशनल ज्योग्राफी जैसे ज्ञानवर्धक चैनलों के आने और हिंदी में डब फिल्मों का बढ़ता चलन अनुवादकों के लिए नई राहें खोल रहा है। परिणाम स्वरूप अनुवादको अपेक्षाकृत अच्छा मेहनताना मिल रहा है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन(एन जी ओ) अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कारोबारी जगत को भी हिंदी के सहारे की बड़ी जरूरत है। कंपनियों को अपनी बात ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए विज्ञापन से लेकर ब्रोशर तक हिंदी में प्रकाशित करने पड़ रहे हैं। इसकी वजह से भी अनुवाद के कार्यक्षेत्र का जबरदस्त विस्तार हुआ है। विदेशी भाषाओं में छपी पुस्तकें हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में लाने के लिए अनुवाद का ही सहारा लिया जाता है। पेंग्विन, हार्परकॉलिंस और पियरसन जैसे कई विदेशी भाषाओं के दिग्गज प्रकाशक अंग्रेजी पुस्तकों को हिंदी में अनुवादित कर रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय भाषाओं की किताबों को हिंदी में

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XII, Issue– I *Jan – Feb, 2023*

OPEN ACCESS Original Research Article

अनुवादित किया जा रहा है। अर्थात अनुवाद आज रोजगार का साधन बन चुका है

फिल्म उद्योग:

डबिंग और रीमेक का चलन पिछले कई सालों से फिल्म जगत में काफी बढ़ गया है। अंग्रेजी या अन्य भाषा की फिल्मों को हिंदी में डबिंग या रिमिक्स किया जाता है। यह सब अनुवाद के कारण ही होता है। दक्षिण भारत एवं विदेशों की अनेक फिल्मों को हिंदी में डबिंग या रीमिक्स किया गया है। अनुवादक फिल्म जगत में भी रोजगार तलाश कर सकता है। डबिंग- अनुवाद में समतुल्यता के सिद्धांत को अपनाया जाता है। ऐसी कई उल्लेखनीय फिल्में हैं जिनमें इस सिद्धांत का बेहतर ढंग से निर्वहन किया गया है। आज तक टाइटेनिक, स्पाइडर मैन और अवतार जैसी फ़िल्में भारतीय दर्शकों के दिमाग पर छाई हुई है। इन फिल्मों के डबिंग अनुवाद में वो बेहतरी देखने को मिलती है जो भारतीय दर्शकों को बहुत गहरे तक जोड़ने में सफल रही है। वास्तव में फिल्मों का अनुवाद खासतौर पर डबिंग अनुवाद करना कठिन कार्य होता है। इसके अनुवाद में अनुवादक को भाषा के हर एक पक्ष जैसे गति और मुखरता और प्रवाह का तो ध्यान रखना ही होता है, इसके साथ ही अनुवादक को अभिनेता के मुख से निकली मूल भाषा की ध्वनियों के कारण हुए होठों के फैलाओ का भी सबसे अधिक ध्यान रखना पड़ता है। इसके अलावा अभिनेता के मुख से निकली मूल भाषा की ध्वनियों से हुए होंठों के समक्रमीकरण और फैलाव का भी अधिक अधिक ध्यान रखा जाता है। यदि अनुवादक ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो शब्दों और मुंह के फैलाव में तालमेल ठीक नहीं बैठता। अनुवाद में अनुवादक को हर समय सतर्क रहते हुए डबिंग के व्याकरण को समझना होता है।

विज्ञापन उद्योग:

हम एक ही विज्ञापन को कई भाषाओं में प्रसारित होता हुआ देखते हैं। मूल रूप से विज्ञापन एक ही होता है उसे अलग-अलग भाषाओं में अनुवादित करके दिखाया जाता है। यहां अनुवादक का कार्य महत्वपूर्ण होता है। विज्ञापन क्षेत्र में अनुवादक को रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं।

***स्वतंत्र रूप से-** अनुवाद कार्य को स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है। यानी अपने घर पर बैठकर, कई सारी ऐसी वेबसाइट है जो अनुवाद का काम स्वतंत्र रूप से करने को दे सकती है। बहुत सी ऐसी अनुवाद एजेंसियां है जो अनुवादक को नौकरी देती है।

निष्कर्ष:

आज देश तथा वैश्विक संदर्भ में अनुवाद की भूमिका महत्वपूर्ण बन चुकी है। वर्तमान में वैश्विक सरोकारों के चलते अनुवाद एक आवश्यक संप्रेषण माध्यम बन चुका है। दरअसल दो अलग देशों, भिन्न संस्कृतियों एवं दो समुदायों के दो अलग भाषी लोगों के बीच अनुवाद के महत्व को समझा जा सकता है। ऐसे में अनुवाद एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में अपनी भूमिका को निश्चित करता है। सरकारी विभाग में अनुवादक की नौकरी पाने के लिए संबंधित विषय की परीक्षा पास करनी पड़ती है,साथ ही मास्टर डिग्री और अनुवाद में पीजी डिप्लोमा होना अनिवार्य है। निजी क्षेत्र में काम करने के लिए हमें अपने सोर्स और इंटरनेट का सहारा लेना पड़ता है। वैश्विक संपर्क में इजाफे के बीच अनुवाद रोजगार के तमाम अवसर प्रदान कर रहा है। सरकारी एवं निजी क्षेत्र में अनुवाद के माध्यम से

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XII, Issue– I *Jan – Feb, 2023*

OPEN ACCESS Original Research Article

रोजगार उपलब्ध हो रहा है। शायद यह बदलते वक्त का तकाजा है कि एक वक्त हेय दृष्टि से देखा जाने वाला अनुवाद का कार्य एक पेशेवर रूप अख्तियार करता जा रहा है और रोजगार के एक बड़े माध्यम के रूप में उभर रहा है। अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं भरपूर है, बस जरूरत है तो उन्हें भुनाने की।

संदर्भ ग्रंथ:

1) रोजगार अभिमूलक हिंदी- संपादक डॉ पल्लवी पाटील

2) अनुवाद का समाजशास्त्र-डॉ सूर्यनारायण रणसुभे

Cite This Article:

** डॉ. गुंजरगे दि. रा. (2023). अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं। **Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal, XII (I) Jan-Feb, 80-83. Doi: https://doi.org/10.5281/zenodo.16741897***